चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	12.5.23	5	5

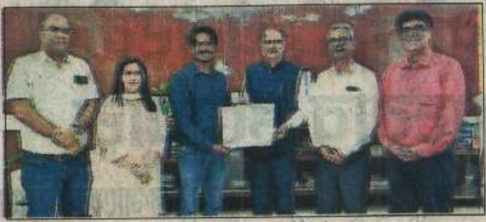

वैज्ञानिक डॉ. अनुश्री व पीएच.डी. छात्र संचित मंडल को सम्मानित करते एच.ए.यू. के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

डॉ. अनुश्री व पीएच.डी. छात्र संचित मंडल ने अनुसंधान प्रकाशन में नास रेटिंग की उच्चतम श्रेणी को किया पार

हिसार, 11 मई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में कार्यरत वैज्ञानिक डॉ. अनुश्री व पी.एच.डी. छात्र संचित मंडल ने अनुसंधान प्रकाशन में नास रेटिंग की उच्चतम श्रेणी को भी पार किया है। प्रकाशित लेख 'लिगनिन मोडिफिकेशन एंड वैलोराइजेशन इन मैडीसिन, कॉस्मैटिक्स, एनवायरनमैंटल रीमिडिएशन, एंड एग्रीकल्चर : ए रिव्यू' शीर्षक से अत्याधिक प्रतिष्ठित जर्नल एनवायरनमैंटल कैमिस्ट्री लैटर्स, नैशनल एकैडमी ऑफ एग्रीकल्चर साइंस रेटिंग 20 में प्रकाशित किया गया है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने डॉ. अनुश्री व पीएच.डी. छात्र संचित मंडल को बधाई दी। साथ ही हौसला अफ्जाई कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि अनुसंधान एवं तकनीकी के क्षेत्र में वैज्ञानिक डॉ. अनुश्री व पीएच.डी. छात्र संचित मंडल ने अनुसंधान प्रकाशन में नास रेटिंग की उच्चतम श्रेणी को पार किया है। उन्होंने बताया कि अनुसंधान एवं शोध कार्य को आगे बढ़ाने के लिए हकृवि की ओर से बेहतर प्रयास कर प्रोत्साहित किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	12.5.23	2	5-6

डॉ. अनुश्री और पीएचडी छात्र संचित ने अनुसंधान प्रकाशन में नास रेटिंग की उच्चत्तम श्रेणी पार की

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में कार्यरत वैज्ञानिक डॉ. अनुश्री व पीएचडी छात्र संचित मंडल ने अनुसंधान प्रकाशन में नास रेटिंग की उच्चत्तम श्रेणी को भी पार किया है। प्रकाशित लेख लिगनिन मोडिफिकेशन एंड वैलोराइजेशन इन मेडिसिन, कॉस्मेटिक्स, एनवायरनमेंटल रीमिडिएशन, एंड एग्रीकल्चर: ए रिव्यू शीर्षक से अत्याधिक प्रतिष्ठित जर्नल एनवायरनमेंटल केमिस्ट्री लेटर्स, नेशनल एकेडमी ऑफ एग्रीकल्चर साइंस रेटिंग 20 में प्रकाशित किया गया है। इस उपलब्धि पर विवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने डॉ. अनुश्री व पीएचडी छात्र संचित मंडल को बधाई दी। साथ ही हौसला आफजाई कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वीसी प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि अनुसंधान एवं तकनीकी के क्षेत्र में वैज्ञानिक डॉ. अनुश्री व पीएचडी छात्र संचित मंडल ने अनुसंधान प्रकाशन में नास रेटिंग की उच्चत्तम श्रेणी को पार किया है। उन्होंने बताया कि प्रकाशित लेख बायोमास से लिगनिन निष्कर्षण, लिगनिन संशोधन तथा कृषि, चिकित्सा एवं पर्यावरण में संशोधित लिगनिन के अनुप्रयोग पर केंद्रित है। अनुसंधान एवं शोध कार्य को आगे बढ़ाने के लिए एचएयू की ओर से बेहतर प्रयास कर प्रोत्साहित किया जाएगा। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार व रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. रजनीकांत शर्मा उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	12.5.23	5	8

एचएयू की डॉ. अनुश्री व पीएचडी छात्र संचित मंडल ने अनुसंधान प्रकाशन में नास रेटिंग की उच्चतम श्रेणी को पार किया

एचएयू के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज द्वारा वैज्ञानिक डॉ. अनुश्री व पीएचडी छात्र संचित मंडल को सम्मानित करते हुए।

हिसार, 11 मई (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में कार्यरत वैज्ञानिक डॉ. अनुश्री व पीएचडी छात्र संचित मंडल ने अनुसंधान प्रकाशन में नास रेटिंग की उच्चतम श्रेणी को भी पार किया है। प्रकाशित लेख लिगनिन मोडिफिकेशन एंड वैलोराइजेशन इन मेडिसिन, कॉस्मेटिक्स, एनवायरनमेंटल रीमिडिएशन, एंड एग्रीकल्चर- ए रिव्यू शीर्षक से अत्याधिक प्रतिष्ठित जर्नल एनवायरनमेंटल केमिस्ट्री लेटर्स, नेशनल एकेडमी ऑफ एग्रीकल्चर साइंस रेटिंग 20 में प्रकाशित किया गया है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने डॉ. अनुश्री व पीएचडी छात्र संचित मंडल को बधाई दी। साथ ही हौसला आफजाई कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि अनुसंधान एवं तकनीकी के क्षेत्र में वैज्ञानिक डॉ. अनुश्री व पीएचडी छात्र संचित मंडल ने अनुसंधान प्रकाशन में नास रेटिंग की उच्चतम श्रेणी को पार किया है। उन्होंने बताया कि प्रकाशित लेख बायोमास से लिगनिन निष्कर्षण, लिगनिन संशोधन तथा कृषि, चिकित्सा एवं पर्यावरण में संशोधित लिगनिन के अनुप्रयोग पर केंद्रित है। उन्होंने बताया कि अनुसंधान एवं शोध कार्य को आगे बढ़ाने के लिए हकृवि की ओर से बेहतर प्रयास कर प्रोत्साहित किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	12-5-23	3	3

अनुश्री व संचित ने अनुसंधान प्रकाशन में उच्चतम श्रेणी पार की

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में कार्यरत वैज्ञानिक डॉ. अनुश्री व पीएचडी छात्र संचित मंडल ने अनुसंधान प्रकाशन में नास रेटिंग की उच्चतम श्रेणी को भी पार किया है।

प्रकाशित लेख प्रतिष्ठित जर्नल एनवायरनमेंटल केमिस्ट्री लेटर्स, नेशनल एकेडमी ऑफ एग्रीकल्चर साइंस रेटिंग 20 में प्रकाशित किया गया है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने डॉ. अनुश्री व पीएचडी छात्र संचित मंडल को बधाई दी। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार, डॉ. रजनीकांत शर्मा रहे। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	12-5-23	4	7-8

प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण विषय पर प्रशिक्षण संपन्न

शिक्षकों को प्रशस्ति प्रमाण पत्र वितरित करती मुख्यातिथि डॉ. मंजू मेहता।

हिसार, 11 मई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के सभागार में 'उच्च शिक्षण संस्थानों में बौद्धिक संपदा अधिकारों, प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण की उपयोगिता, विकास व अन्य विषयों' पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ, जिसमें मुख्यातिथि के तौर पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की निदेशक व कोर्स डायरेक्टर डॉ. मंजू मेहता उपस्थित हुई। यह प्रशिक्षण कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा प्रबंधन एकैडमी व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के आईपीआर प्रकोष्ठ द्वारा संयुक्त रूप से 2 से 11 मई तक हुई।

मुख्यातिथि डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि 'उच्च शिक्षण संस्थानों में बौद्धिक संपदा अधिकारों, प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण की उपयोगिता, विकास व अन्य विषयों' पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में अलग-अलग शिक्षण संस्थानों से आए विशेषज्ञों ने विभिन्न सत्र के माध्यम से प्रतिभागियों को विषयानुसार कई अह्म जानकारी दी और प्रशस्ति प्रमाण पत्र वितरित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	12.5.23	5	1-2

वैज्ञानिकों, शोधकर्त्ताओं व विद्यार्थियों को क्रिएटिव इंडिया-इनोवेटिव इंडिया के स्लोगन पर काम करने की ज़रूरत : डॉ. मेहता

हिसार, 11 मई (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के सभागार में 'उच्च शिक्षण संस्थानों में बौद्धिक संपदा अधिकारों, प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण की उपयोगिता, विकास व अन्य विषयों' पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ, जिसमें मुख्यातिथि के तौर पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की निदेशक व कोर्स डायरेक्टर डॉ. मंजू मेहता उपस्थित हुई। यह प्रशिक्षण कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा प्रबंधन एकेडमी व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के आईपीआर प्रकोष्ठ द्वारा संयुक्त रूप से 2 से 11 मई तक हुई। प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत में आईपीआर सैल इंचार्ज एवं सहायक निदेशक डॉ. विनोद ने सभी का स्वागत किया। मुख्यातिथि डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि 'उच्च शिक्षण संस्थानों में बौद्धिक संपदा अधिकारों, प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण की उपयोगिता, विकास व अन्य विषयों' पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में अलग-अलग शिक्षण संस्थानों से आंए विशेषज्ञों ने विभिन्न सत्र के माध्यम से प्रतिभागियों को विषयानुसार कई अहम जानकारी दी। आईपीआर सैल इंचार्ज एवं सहायक निदेशक डॉ. विनोद ने 10 दिवसीय प्रशिक्षण की विस्तृत रिपोर्ट पेश की। इस प्रशिक्षण में ट्रेडमार्क रजिस्ट्री दिल्ली, एनआईपीईआर मोहाली, दिल्ली विश्वविद्यालय, लुवास हिसार, सीआर लॉ कॉलेज हिसार, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर, कानूनी फर्म सीआईपीएलजीटी गुरुग्राम सहित बाहरी संस्थानों के विशेषज्ञों द्वारा 13 व्याख्यान दिए गए थे। विशेषज्ञों में डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. चंदन चंदना, अधिवक्ता राजन, डॉ. विकास, डॉ. आर.बी श्रीवास्तव, डॉ. नरेश ने पेटेंट अधिनियम 1970, डिजाइन जैसे विभिन्न आईपीआर विषयों पर व्याख्यान दिए।